INDEX

1. SMALL DEALER TAX SCHEME NOTIFICATION 2
2. FAQ(S) ON SMALL DEALERS 22
3. SMALL DEALER TAX SCHEME NOTIFICATION 24

1. SMALL DEALER TAX SCHEME NOTIFICATION

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

एस०ओ० संचिका सं० बिक्री कर/संशोधन–02/2010 .... दिनांक ....अगस्त, 2010– बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा–15 की उप–धारा (1क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल विनिर्दिष्ट करते हैं कि अधिनियम के अधीन देय कर के बदले एक नियत राशि का विकल्प देनेवाले व्यवसायी के लिए देय राशि एक वित्तीय वर्ष में रू0 दस हजार होगी।

2. यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत होगी।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राय)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

एस०ओ०– एस०ओ०– दिनांक– अगस्त, 2010– का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार–राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राय)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

96

Government of Bihar
Commercial Taxes Department

Notification

S.O. File No.:Bikri Kar/Sanshodhan- 02/2010 ………., dated ……., August, 2010- In exercise of the powers conferred under Sub-Section (1A) of Section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to specify that tax payable by the dealers, who opted to pay a fixed amount in lieu of the tax payable by the dealer under the Act shall be Rs. ten thousand for a financial year.

2. This notification shall come into force with effect from the date of issue.

By order of the Governor of Bihar,

(J.R.K. Rao)
Commissioner-cum-Principal Secretary.
Bihar, Patna.

D:\Gupta J\Gupta.p Tax.3\.41

(95)

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

एस०ओ० संचिका सं० बिक्री कर/संशोधन–02/2010 ...., दिनांक ....अगस्त, 2010– बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा–93 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 11 में निम्नलिखित संशोधन करते है–

संशोधन

नियम 11 अपने उप–नियम (1) (2) एवं (3) के साथ निम्नवत् प्रतिस्थापित किया जायेगा :

"11. धारा 15 के अधीन देय कर के बदले निश्चित दर पर अथवा निश्चित राशि का भुगतान–धारा 15 की उप–धारा (1) अथवा (1क) वैसे व्यवहारियों पर लागू होगा जिनके सकल आवर्त के, उनके अपने प्राक्कलन के अनुसार, एक वित्तीय वर्ष में 40 लाख रूपयों से अधिक होने की संभावना नहीं हो।

(2) धारा 15 के अधीन निश्चित दर पर अथवा निश्चित राशि का भुगतान करने हेतु हकदार व्यवसायी नियम 62 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रपत्र A-XI अथवा A-XIA में सूचित करेगा। यह ससूचना अंचल के काउंटर पर जमा किया जायेगा। काउंटर प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदन हस्ताक्षरित एवं सत्यापित है–

(i) उस व्यक्ति को इसके बदले एक रसीद निर्गत करेगा;

(ii) इसे पंजी VR-XII में प्रविष्ट करेगा।

(3) उप–नियम (1) अथवा (4) में किसी बात के अन्तर्विष्ट होते हुए भी यदि धारा 15 के अधीन कर जमा करनेवाले व्यवहारी का सकल आवर्त किसी वर्ष में 40 लाख रूपयों से अधिक हो जाये या उसके द्वारा अपने व्यवसाय के प्रयोजनार्थ राज्य के बाहर से किसी वस्तु का आयात किया जाय तो करदेयता के बदले उसकी निश्चत दर पर अथवा निश्चित राशि का कर भुगतान करने की हकदारिता उस तिथि से समाप्त हो जायेगी जिस तिथि को, यथास्थिति, उसका सकल आवर्त प्रथम बार 40 लाख रूपयों को पार करता हो अथवा उसके द्वारा राज्य के बाहर से आयातित वस्तु की बिक्री की जाती है।"

उक्त नियमावली के नियम 11 के उप–नियम (3) के नीचे एक नया उप–नियम निम्नवत् जोड़ा जायेगा:–

"(4)– धारा 15 की उप–धारा (1क) में सन्निहित प्रावधानों के अध्यधीन समाहितीकरण के इच्छुक व्यवसायी, जिनका सकल आवर्त्त एक वित्तीय वर्ष में रू० चालीस लाख से अधिक नही है, एक नियत राशि का भुगतान जैसा कि अधिसूचित हो, दो बराबर किस्तों में करेगा, प्रथम एवं दूसरी किस्त का भुगतान क्रमशः 30 सितम्बर और 31 मार्च तक किया जायेगा। संबंधित व्यवसायी सितम्बर में अधिसूचित राशि का भुगतान एक बार में भी कर सकते हैं।

(2) अधिनियम में किसी बात के होते हुए समाहितीकरण लेनेवाले व्यवसायी के विरूद्ध कोई संवीक्षा अथवा अंकेक्षण नही किया जायेगा।

(3) अधिनियम की धारा 15 (1) के अधीन निर्गत अधिसूचना संख्या एस०ओ० 79, दिनांक 13.09.2007, जिसके द्वारा करदेय आवर्त्त का 0.5 प्रतिशत दर विहित की गयी थी, निरसित की जायेगी।

(4) यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत होगी।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राव)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

D:\Gupta Ji\Gupta ji Tax 3\ 32

(94)

एस०ओ०– एस०ओ०– दिनांक– अगस्त, 2010– का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार–राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राव)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

D:\Gupta ji\Gupta ji Tax 3\ 44

93

[फारम A-XIA]

बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उप–धारा (1क) के अंतर्गत पूर्वसूचना

[देखें नियम 11 (2)]

सेवा में,

______________ अंचल।

मैं ______________ (पूरा नाम), पिता ______________ (पूरा नाम) बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उप–धारा (1क) के अंतर्गत निम्न सूचना समर्पित करता हूँ एवं निम्न विवरण उसके प्रयोजनार्थ दाखिल करता हूँ :

1. नाम एवं व्यवसाय की प्रकृति –
2. करदाता पहचान संख्या –
3. पूर्व वर्ष का सकल आवर्त (अधिनियम की धारा 15 की उप–धारा (1) के अंतर्गत इच्छित व्यवसायियों के लिए लागू)

घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि इस आवेदन में घोषित सभी सूचनाएं मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास में सही एवं पूर्ण है।

मैं पुनः घोषणा करता हूँ कि मैं राज्य के बाहर से जैसे ही कोई वस्तु की खरीद/प्राप्ति करता हूँ तो विभाग को सूचित करूँगा।

स्थान– आवेदक का हस्ताक्षर ______________

तिथि– व्यवसायी से आवेदक की प्रास्थिति ______________

पता ______________

आवेदक व्यवसाय के मालिक द्वारा यदि स्वत्वधिकारी हो, कर्त्ता द्वारा यदि अविभाजित हिन्दु परिवार हो; घोषित पार्टनर द्वारा साझेदारी हो; मेनेजिंग डायरेक्टर, मेनजिंग एजेन्ट या प्रिंसिपल एक्सक्यूटिव ऑफिसर यदि कंपनी या कॉरपोरेशन हो; प्रिंसिपल एक्सक्यूटिव ऑफिसर इन्चार्ज यदि सोसाईटी, क्लब, एसोसियेशन, सरकारी विभाग या स्थानीय प्राधिकारी का मामला हो,

पावती

बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 (1क) के अंतर्गत फार्म A-XIA के अनुमति हेतु आवेदन दिनाक ______________ को ______________ से प्राप्त किया।

हस्ताक्षर–

हैसियत–"

D:\Gupta Ji\Gupta ji Tax 11\43

92

Government of Bihar

Commercial Taxes Department

Notification

S.O. File No.: Bikri Kar/Sanshodhan-02/2010.........., dated ...., August, 2010-In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments to rule 11 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005:

Amendment

Rule 11 with its sub-rule (1) (2) and (3) shall be substituted as follows:

"11. Payment of tax at a fixed rate or amount under section 15 in lieu of the tax payable by a dealer-(1) The provisions of sub-section (1) or (1A) of section 15 shall apply to such dealers whose gross turnover is not expected to exceed forty lacs rupees during a financial year.

(2) A dealer entitled to pay tax at a fixed rate or amount under section 15 shall intimate the authority specified in rule 62 through an application in Form A-XI or A-XIA. Such intimation shall be submitted at the counter of the circle. The incharge of the counter, after ascertaining that all the columns of the application have been properly filled in, signed and verified shall-

(i) grant the person a receipt in lieu thereof, and

(ii) enter the same in register VR-XII."

(3) Notwithstanding anything contained in sub rule (1) or (4), if the gross turnover of a dealer paying tax under section 15 exceeds forty lacs rupees during the course of the year or he imports any goods from outside the State for the purpose of his business, his entitlement to pay tax at fixed rate or amount in lieu of the tax payable shall cease from the date on which his gross turnover first exceeded forty lacs rupees or, as the case may be, he first sold the goods imported by him from outside the State.

A new sub-rule shall be added below sub-rule (3) of rule 11 of the said Rules as follows:

"(4)- Subject to provisions contained in sub-section (1A) of section 15 of the Act, dealers opting for compounding and whose gross turnover does not exceed Rs. forty lacs during a financial year shall pay a fixed amount as notified in two equal instalments, first instalment by 30th September and second instalment by 31st March respectively." Dealers concerned may pay the notified amount in September at a time.

(2) Not withstanding anything contained in the Act, no scrutiny or audit shall be done against such compounding dealers.

(3) Notification No. S.O. 79, dated 13.09.2007 issued under section 15 (1) of the Act prescribing rate of tax at 0.5 per centum of the taxable turnover shall stand cancelled.

(4) This notification shall come into force from the date of issue.

By order of the Governor of Bihar,

(J.R.K. Rao)
Commissioner-Cum-Principal Secretary.
Bihar, Patna.

D:\Gupta H\Gupta ji Tax 11.30

91

FORM A-XIA

Intimation under sub section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005

[See rule 11 (2)]

To,

The .....

..... Circle.

I, ... (full name), son of ..... (full name) hereby submit this information under sub-section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 and through following particulars for that purpose:

1. Name & Style of business-
2. Taxpayer Identification Number (TIN)-
3. Gross Turn over during the immediately preceding year (Applicable to dealers opting to pay tax under sub-section (1A) of section 15 of the Act)-

Declaration

I do hereby declare that the particulars furnished in this application are correct and complete to the best of my knowledge and belief.

I further declare that I shall inform the Department as soon as I purchase/receive any goods from outside Bihar.

Place ..... Signature of the applicant .....

Date ..... Status in relation to the dealer .....

Permanent address .....

The application shall be signed by the proprietor of the business if an individual; by the Karta, if an undivided Hindu family, by an authorized partner in the case of a firm; by a managing director, managing agent or principal executive officer in the case of a company or corporation; by the Principal executive officer –in-charge of in the case of society, club, association, department of Gov ernment or local authority.

Acknowledgement

Received on ..... from ..... an application in Form A-XIA for permission to pay tax under sub-section (1A) of section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005.

Signature .....

Designation .....

D:\Gupta ji\Gupta ji Tax 3\ 42

90

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

एस०ओ० संचिका सं० बिक्री कर/संशोधन–02/2010 ...., दिनाक ...., अगस्त, 2010–बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27/2005) की धारा–93 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 19 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:–

संशोधन

उक्त नियमावली के नियम 19 के उप–नियम (3क) के नीचे एक नया उप–नियम निम्नवत् जोड़ा जायेगा:–

"(3ख)–अधिनियम की धारा 24 की उप–धारा (4क) में सन्निहित प्रावधानों के अध्यधीन समाहितीकरण लेनेवाले व्यवसायी, जिनका वार्षिक सकल आवर्त्त नियमावली के नियम 11 में विनिर्दिष्ट नियत सीमा से अधिक नहीं है, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए एक वार्षिक प्रतिवेदन विहित प्रपत्र, आर0टी0 IV, भाग 'कक' में दाखिल करेगा।"

(2) यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राव)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

एस०ओ०– एस०ओ०– दिनांक– अगस्त, 2010– का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार–राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार–राज्यपाल के आदेश से,

(जे०आर०के० राव)
वाणिज्य–कर आयुक्त–सह–प्रधान सचिव,
बिहार, पटना।

D:\Gupta ji\Gupta ji Tax 11.33

(89)

फारम RT-IV

बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 15 (1क) के अधीन कर देने वाले व्यवहारी द्वारा दाखिल की जानेवाली वार्षिक विवरणी।

[देखें नियम–19(3ख)]

व्यवहारी का नाम एवं अधिनाम :

करदाता पहचान संख्या (टिन) :

वार्षिक विवरणी की अवधि :

खण्ड–कक

(धारा 15 की उप–धारा(1क) के अधीन भुगतान हेतु प्राधिकृत व्यवहारियों द्वारा भरा जायेगा)

अवधि में

सकल आवर्त :

कराधेय आवर्त :

अवधि के दौरान कुल खरीद :

अवधि हेतु कुल कर :

भुगतान विवरण :

तिथि प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर

स्थान व्यवसायों से आवेदक की प्रास्थिति

* भुगतान के तरीके एवं चालान संख्या को स्पष्ट करें।

D:\Gupta Ji\Gupta p Tax 11.40

Government of Bihar
Commercial Taxes Department

Notification

S.O. File No.:Bikri Kar/Sanshodhan-02/2010……., dated ……, August, 2010-In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendment to rule 19 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005:-

Amendment

A new sub-rule shall be added below sub-rule (3A) of rule 19 of the said Rules as follows:-

"3B- Subject to provisions contained in sub-section (4A) of section 24 of the Act, compounding dealers, whose annual gross turnover does not exceed a fixed limit specified under rule 11 of the Rules, shall furnish an annual statement in the prescribed form RT-IV-Part AA for every financial Year.

(2) This notification shall come into force from the date of issue.

By order of the Governor of Bihar,

(J.R.K. Rao)
Commissioner-cum-Principal Secretary.
Bihar, Patna.

87

FORM RT-IV

Annual Return to be filed by dealers paying tax under section 15 (1A) of the Bihar Value Added Tax Act, 2005

[See Rule 19 (3B)]

Name and style of the dealer :

Taxpayer Indentification Number :

Period of the annual return :

PART AA

[Required to be filled up only by dealers permitted to pay under sub-section (1A) of section 15]

	During the period
Gross turnover	
Taxable Turnover	
Total Purchases during the period	
Total Tax for the period	
Payment Details:	

Date………….. Signature of authorized person

Place…………… Status in relation to dealer

* Mention mode of payment and challan number.

D:\Gupta H\Gupta p Tax 1\ 38

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

एस0 ओ0 बिक्री–कर/संशोधन–02/2010 दिनांक– .....2011– बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम 27) की धारा 15 की उपधारा (1क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल वाणिज्य–कर विभाग की अधिसूचना संख्या एस0 ओ0 159, दिनांक 12 अगस्त, 2010 (इसके उपरांत "उक्त अधिसूचना" के रूप में निर्दिष्ट) में निम्न संशोधन करते हैं:–

संशोधन

1. **उक्त अधिसूचना के कंडिका 1 में संशोधन**–उक्त अधिसूचना की कंडिका 1 में शब्द समूह "रू0 दस हजार होगी" के उपरांत पूर्ण विराम को कोलन से प्रतिस्थापित किया जायेगा और उसके बाद निम्नलिखित दो परंतुक तथा क्रमशः कंडिका 2, 3 एवं 4 जोड़ी जायेगी;–

"परन्तु यह कि दिनांक 1 अप्रैल, 2010 से प्रारम्भ होनेवाले वित्तीय वर्ष की बावत इस अधिसूचना के अधीन देय राशि में से विभागीय अधिसूचना संख्या एस0 ओ0 79, दिनांक 13 सितम्बर, 2007 के अधीन व्यवहारी द्वारा भुगतायी गई राशि, यदि कोई हो, की सीमा तक घटा दी जायेगी एवं शेष राशि ही, यदि कोई हो व्यवहारी द्वारा दिनांक 1 अप्रैल, 2010 से प्रारंभ होनेवाले वित्तीय वर्ष की बावत इस अधिसूचना के अधीन देय होगी:

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना के प्रवृत होने के पूर्व यदि व्यवहारी द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या एस0 ओ0 79, दिनांक 13 सितम्बर, 2007 के अधीन दस हजार रूपये से अधिक की राशि जमा की गई है तो ऐसी अधिकाई राशि व्यवहारी को प्रतिदेय नहीं होगी।

2. विभागीय अधिसूचना संख्या एस0 ओ0 79, 13 सितम्बर, 2007 एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

3. इस अधिसूचना के अधीन भुगतेय नियत राशि, व्यवहारी के विकल्प पर,–

(क) संबंधित वित्तीय वर्ष के सितम्बर की 30 तारीख एवं मार्च 31 तारीख को दो समान किस्तो में;

(ख) संबंधित वित्तीय वर्ष के सितम्बर की 30 तारीख को एक किस्त में;

भुगतेय होगी।

4(क) अधिनियम की धारा 25 के प्रावधानो के अधीन ऐसे व्यवहारियों द्वारा दाखिल विवरणी संवीक्षा के अध्यधीन नहीं होगी जिसपर धारा 15 की उप–धारा (1क) के प्रावधान लागू होते हों।

(ख) अधिनियम की धारा 26 के प्रावधानो के अधीन ऐसे व्यवहारियों को अंकेक्षण हेतु चयन नहीं किया जायेगा जिनपर धारा 15 की उप–धारा (1क) के प्रावधान लागू होते हों।"

3. **उक्त अधिसूचना की कंडिका 2 का पुनर्संख्यांकन**– उक्त अधिसूचना की कंडिका 2 को कंडिका 5 के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जायेगा।

4. यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि के प्रभाव से प्रवृत्त होगी।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

(राजित पुनहानी)
वाणिज्य–कर आयुक्त सह सचिव,
बिहार, पटना।

एस0 ओ0 ..... दिनांक .....2011, एस0 ओ0 ..... दिनांक .....2011. का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

(राजित पुनहानी)
वाणिज्य–कर आयुक्त सह सचिव,
बिहार, पटना।

GOVERNMENT OF BIHAR
COMMERCIAL TAXES DEPARTMENT

NOTIFICATION

S.O. Bikri Kar/Sansodhan-02/2010, dated .....2011— In exercise of the powers conferred under Sub-section (1A) of Section 15 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments to Commercial Taxes Department Notification No. S.O. 159, dated the 12th August 2010 (hereinafter referred to as "the said notification"):-

Amendments

1. Amendment to clause 1 of the said notification.— The full stop after the words "financial year" in Para 1 of the said notification shall be substituted by a colon.

(2) After the colon thus substituted in Para 1 of the said notification, the follwoing two provisos and para 2, 3 and 4 shall be added respectively;—

"Provided that the amount payable under this notification in respect of the financial year commencing the 1st April 2010 shall be reduced by the amount, if any, already paid by the dealer under departmental notification number S.O. 79, dated 13th September 2007 and only the amount remaining, if any, after such reduction shall be payable by the dealer under this notification in respect of the financial year commencing the 1st April 2010:

Provided further that if, before the coming into effect of this notification, the amount paid by a dealer under departmental notification number S.O. 79, dated 13th September 2007 exceeds ten thousands rupees, such excess shall not be refunded to the dealer.

2. Departmental notification number S.O. 79, dated 13th September 2007 is hereby cancelled.

3. The fixed amount payable under this notification shall, at the option of the dealer, be payable—

(a) in two equal installments by the 30th of September and the 31st of March of the concerned financial year; or

(b) in one installment by the 30th of September of the concerned financial year.

4(a) The return furnished by a dealer to whom the provisions of sub-Section (*1A*) of Section 15 apply, shall not be subjected to scrutiny under the provisions of Section 25 of the Act.

(b) A delar to whom the provisions of sub-Section (*1A*) of Section 15 apply shall not be selected for audit under the provisions of Section 26 of the Act."

(3) **Renumbering of clause 2 of the said notification.**—Para 2 of the said notification shall be renumbered as Para 5."

4. This notification shall come into force with effect from the date of its issue.

By order of the Governor of Bihar,

(Rajit Punhani)
Commissioner Cum Secretary
Commercial Taxes Department,
Bihar, Patna.

D:/R.K.Roy/Word/Small Dealer/9

बिहार सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

अधिसूचना

एस0 ओ0 बिक्री–कर/संशोधन–02/2010, दिनांक ....2011– बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं0 27/2005) की धारा 93 की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं–

संशोधन

1. **बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 3 में संशोधन–** बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 3 के उप–नियम (10) के पश्चात् एक नया उप–नियम (11) निम्नवत् अन्तः स्थापित किया जायेगा, यथा :–

"(11)(क) उप–नियम (1), उप–नियम (2), उप–नियम (3), उप–नियम (4), उप–नियम (5), उप–नियम (6), उप–नियम (7), उप–नियम (8), उप–नियम (9) एवं उप–नियम (10) में किसी बात के होते हुए भी, प्रत्येक ऐसे व्यवहारी द्वारा जिसपर धारा 15 की उप–धारा (1क) के प्रावधान लागू होते हों, निबंधन हेतु आवेदन प्रपत्र A-1क में दिया जायेगा एवं ऐसा आवेदन वैसे अंचल प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा जिसकी अधिकारिता के भीतर व्यवहारी के कारोबार का स्थान अवस्थित हो।

(ख) प्रत्येक ऐसा आवेदन, अंचल के काउंटर पर अथवा वाणिज्य–कर विभाग के आधिकारिक वेब–साईट पर इलेक्ट्रॉनिक रीति से जमा किया जायेगा तथा उक्त आवेदन इसके आगे निर्दिष्ट रीति से संसाधित किया जायेगा :–

(i) उप–नियम (11) के अधीन इलेट्रॉनिक रीति से दाखिल किये गए आवेदन के मामले में संबंधित अंचल का प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदक को यथाशीघ्र, अधिमानित रूप से आवेदन दाखिल होने के पन्द्रह दिनों में, प्रपत्र C-1 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र प्रदान करेगा तथा ऐसा प्रमाण पत्र आवेदक को उसके ई मेल एकाउंट पर, यदि उसने ऐसा ई मेल पहचान प्रस्तुत किया है, अथवा उसके द्वारा दिये गए आवेदन में उल्लिखित पते, पर प्रेषित करेगा।

(ii) यदि उप–नियम (11) के अधीन आवदेन इलेक्ट्रॉनिक रीति से नहीं दिया गया हो तो ऐसा आवेदन संबंधित अंचल के काउंटर पर जमा किया जायेगा। काउंटर प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदन हस्ताक्षरित एवं सत्यापित है, उस व्यक्ति को इसके बदले एक रसीद निर्गत करेगा और इसे पंजी VR-XII में दर्ज करेगा।

(iii) इसके उपरांत संबंधित अंचल का प्रभारी आवेदक को, यथाशीघ्र, अधिमानित रूप से आवेदन दाखिल होने के पन्द्रह दिनों के भीतर प्रपत्र C-1 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र देगा तथा ऐसा प्रमाण पत्र आवेदक को उसके ई–मेल एकाउंट पर, यदि उसने ऐसा ई मेल पहचान प्रस्तुत किया हो अथवा उसके द्वारा दिये गए आवेदन में उल्लिखित पते पर, प्रेषित करेगा।"

2. **बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 11 में संशोधन**– बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के नियम 11 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :–

"11. **व्यवहारी द्वारा देय कर के बदले धारा 15 की उपधारा (*1क*) के अधीन नियत राशि का भुगतान**–(*1*) धारा 15 की उपधारा (1क) के प्रावधान वैसे व्यवहारियों पर लागू होंगे जिनके सकल आवर्त के उनके अपने प्राक्कलन के अनुसार एक वित्तीय वर्ष में 40 लाख रूपयों से अधिक होने की संभावना नहीं हो।

(*2*) धारा 15 की उपधारा (*1क*) के अधीन नियत राशि का भुगतान करने हेतु हकदार व्यवसायी नियम 62 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रपत्र A-XIA के माध्यम से सूचित करेगा। यह सूचना अंचल के काउंटर पर अथवा वाणिज्य–कर विभाग के आधिकारिक वेब–साईट पर इलेक्ट्रॉनिक रीति से जमा किया जायेगा तथा उक्त आवेदन इसके आगे विनिर्दिष्ट रीति से संसाधित किया जायेगा।

(*3*) उप–नियम (2) के अधीन इलेट्रॉनिक रीति से दाखिल किये गए आवेदन के मामले में संबंधित अंचल का प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदन दाखिल होने के पन्द्रह दिनों के भीतर, धारा 15 की उप–धारा (*1क*) के अधीन कर भुगतान करने की अनुज्ञा देगा तथा ऐसी अनुज्ञा की सूचना आवेदक को–

(क) उसके ई मेल एकाउंट पर यदि उसने ऐसा ई मेल पहचान प्रस्तुत किया हो; अथवा

(ख) उसके द्वारा दिये गए आवेदन में उल्लिखित पत्ते पर,

प्रेषित करेगा।

(*4*)(क) उप–नियम (2) के अधीन यदि आवदेन इलेक्ट्रॉनिक रीति से नहीं दिया गया हो तो ऐसा आवेदन संबंधित अंचल के काउंटर पर जमा किया जायेगा। काउंटर प्रभारी यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि आवेदन के सभी स्तम्भ पूरी तरह भरे गये हैं, आवेदन हस्ताक्षरित एवं सत्यापित है,

(*i*) उस व्यक्ति को इसके बदले एक रसीद देगा तथा

(*ii*) इसे पंजी VR-XII में दर्ज करेगा।

(ख) इसके उपरांत संबंधित अंचल का प्रभारी आवेदन दाखिल होने के पन्द्रह दिनों के भीतर, धारा 15 की उप–धारा (*1क*) के अधीन कर भुगतान करने की अनुज्ञा देगा तथा ऐसी अनुज्ञा की सूचना आवेदक को–

(i) उसके ई मेल एकाउंट पर यदि उसने ऐसा ई मेल पहचान प्रस्तुत किया है; अथवा

(ii) उसके द्वारा दिये गए आवेदन में उल्लिखित पत्ते पर,

प्रेषित करेगा।

(*5*) उप–नियम (1) में किसी बात के अन्तर्विष्ट होते हुए भी, यदि धारा 15 की उप–धारा (1क) के अधीन कर जमा करनेवाले व्यवहारी का सकल आवर्त किसी वर्ष में 40 लाख रूपये से अधिक हो जाय या उसके द्वारा अपने व्यवसाय के प्रयोजनार्थ राज्य के बाहर से किसी वस्तु का आयात किया जाय या वह व्यवसायी वस्तुओं का विनिर्माण प्रारम्भ कर दे तो कर देयता के बदले उसकी नियत दर पर अथवा नियत राशि का कर भुगतान करने की हकदारिता उस तिथि से समाप्त हो जायेगी जिस तिथि को, यथास्थिति, उसका

सकल आवर्त्त प्रथम बार 40 लाख रूपये को पार करता हो अथवा उसके द्वारा विनिर्मित अथवा राज्य के बाहर से आयातित वस्तु की प्रथम बिक्री की जाती हो।

3. **बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 में नये प्रपत्र का अन्तः स्थापन।**– बिहार मूल्य वर्द्धित कर नियमावली, 2005 के साथ उपाबद्ध प्रपत्र A-1 के पश्चात् एक नया प्रपत्र A-1क निम्नवत् अन्तः स्थापित किया जायेगा, यथा :–

"फारम–A-1क

बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 19(3) के अधीन निबंधन हेतु आवेदन।

(देखें नियम–3)

कार्यालय.....वाणिज्य–कर.....अंचल

सेवा में,

.....

.....(अंचल)

मै.....(पूरा नाम), पुत्र.....(पूरा नाम) एतद् द्वारा बिहार मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम 2005 की धारा 19 के अधीन निबंधन प्रमाण–पत्र के निर्गमन हेतु आवेदन देता हूँ एवं इस संबंध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ संसूचित करता हूँ:–

1. व्यवसाय का नाम –
2. पता–
   (क) मकान संख्या/दूकान संख्या–
   (ख) सड़क/गली का नाम/मोहल्ला/बाजार–
   (ग) ब्लॉक–
   (घ) जिला–
   (ड़) पिन कोड–
3. आवेदक की जन्म तिथि–
4. पैन/ड्राइविंग लाइसेंस संख्या–
5. बैंक का ब्योरा:
   (क) बैंक का नाम–
   (ख) शाखा–
   (ग) खाता संख्या–
   (घ) खाता का प्रकार–
6. वस्तु–

सत्यापन

मैं घोषित करता हूँ कि इस आवेदन में दी गई विशिष्टियाँ मेरे सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास में सही हैं।

स्थान आवेदक का हस्ताक्षर.....................

तिथि व्यवसायी से आवेदक की प्रास्थिति.....................................

स्थायी पता..........................

आवेदन पर, व्यक्ति की दशा में स्वामी, अविभक्त हिन्दु परिवार की दशा में कर्ता, फर्म की दशा में प्राधिकृत साझेदार, कंपनी या निगम की दशा में प्रबंध निदेशक, प्रबंध एजेन्ट या प्रधान कार्यपालक पदाधिकारी, समिति, क्लब, तथा संस्था की दशा में प्रधान कार्यपालक पदाधिकारी या प्रभारी पदाधिकारी का हस्ताक्षर होगा।"

4. यह अधिसूचना निर्गमन की तिथि के प्रभाव से प्रवृत होगी।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

(राजित पुनहानी)
वाणिज्य–कर आयुक्त सह सचिव,
बिहार, पटना।

एस0 ओ0 .... दिनांक ....2011, एस0 ओ0 .... दिनांक ....2011 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

(राजित पुनहानी)
वाणिज्य–कर आयुक्त सह सचिव,
बिहार, पटना।

D:/S.N.Roy/Word/Small Dealer/4

Government of Bihar
Commercial Taxes Department

S.O. Bikri Kar/Sansodhan-02/2010, dated the .....2011— In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 93 of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 (Act 27 of 2005), the Governor of Bihar is pleased to make the following amendments to the Bihar Value Added Tax Rules, 2005:

Amendments

1. **Amendment of Rule 3 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005**— After sub-Rule (*10*) of Rule 3 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005, a new sub-Rule (*11*) shall be inserted in the following way, namely:-

"(*11*)(*a*) Notwithstanding anything contained in sub-Rule (*1*), sub-Rule (*2*), sub-Rule (*3*), sub-Rule (*4*), sub-Rule (*5*), sub-Rule (*6*), sub-Rule (*7*), sub-Rule (*8*), sub-Rule (*9*) and sub-Rule (*10*), an application for registration by a dealer to whom the provisions of sub-Section (*1A*) of Section 15 apply, shall be made in form A-IA and shall be filed before the Circle Incharge within whose jurisdiction the place of business of the dealer is situated.

(*b*) Such an application shall be submitted at the counter of the circle or shall be filed electronically on the official Web-site of the Commercial Taxes Department and the said application shall be processed in the manner hereinafter specified.

(*i*) In case where an application under Sub-rule (*11*) has been filed electronically, the Incharge of the concerned Circle, after verifying that all the columns of the application have been properly filled in, shall, grant the applicant a Certificate of Registration in form C-I at the earliest, preferably within fifteen days of the filing of the application and the Certificate shall be sent to the applicant on his e-mail account, if he has furnished such e-mail identity, or to the address furnished by him in his application.

(*ii*) In case where an application under Sub-rule (*11*) has not been filed electronically, such application shall be submitted at the counter of the concerned circle. The Incharge of the counter, after ascertaining that all the columns of the application have been properly filled in, signed and verified shall grant the person a receipt in lieu thereof, and enter the same in register VR-XII.

(*iii*) Thereupon the Incharge of the concerned Circle shall, grant the applicant a Certificate of Registration in form C-I at the earliest, preferably within fifteen days of the filing of the application and the Certificate shall be sent to the applicant on his e-mail account, if he has furnished such e-mail identity, or to the address furnished by him in his application."

2. **Amendment of Rule 11 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005**—Rule 11 of the Bihar Value Added Tax Rules, 2005 shall be substituted by the following:-

"**11. Payment of a fixed amount under Sub-Section (1A) of Section 15 in lieu of the tax payable by a dealer** .— (*1*) The provisions of Sub-section (*1A*) of Section 15 shall apply to such dealers whose gross turnover, as per their own estimate, is not expected to exceed forty lacs rupees during a financial year.

(*2*) A dealer entitled to pay fixed amount under Sub-section (1A) of Section 15 shall intimate the authority specified in rule 62 through an application in Form A-XIA. Such intimation shall be submitted at the counter of the circle or shall be filed electronically on the official Web-site of the Commercial Taxes Department and the said application shall be processed in the manner hereinafter specified.

(*3*) In case where an application under Sub-rule (*2*) has been filed electronically, the Incharge of the concerned Circle, after verifying that all the columns of the application have been properly filled in, shall, within fifteen days of the filing of the application, grant permission to pay tax under the provisions of Sub-section (1A) of Section 15 and such permission shall be intimated to the applicant—

(a) on his e-mail account, if he has furnished such e-mail identity; or

(b) on the address furnished by him in his application.

(*4*)(a) In case where an application under Sub-rule (*2*) has not been filed electronically, such application shall be submitted at the counter of the concerned circle. The Incharge of the counter, after ascertaining that all the columns of the application have been properly filled in, signed and verified shall—

(i) grant the person a receipt in lieu thereof, and

(ii) enter the same in register VR-XII.

(b) Thereupon the Incharge of the concerned Circle shall, within fifteen days of the filing of the application, grant permission to pay tax under the provisions of Sub-section (1A) of Section 15 and such permission shall be intimated to the applicant —

(i) on his e-mail account, if he has furnished such e-mail identity; or

(ii) on the address furnished by him in his application.

(*5*) Notwithstanding anything contained is Sub-rule (*1*), if the gross turnover of a dealer paying tax under sub-Section (*1A*) of Section 15 exceeds forty lacs rupees during the course of the year or he imports any goods from outside the State for the purpose of his business or he becomes a manufacturer of goods, his entitlement to pay a fixed amount in lieu of the tax payable shall cease from the date on which his gross turnover first exceeded forty lacs rupees or, as the case may be, he first sold the goods manufactured by him or imported by him from outside the State.

3. **Insertion of a new Form in the Bihar Value Added Tax Rules, 2005**— After Form A-I appended to the Bihar Value Added Tax Rules, 2005, a new form A-IA shall be inserted in the following way, namely:-

"FORM A-IA

Application for registration under Secton 19(3) of the Bihar Value Added Tax Act, 2005 [See rule3]
Office of the ..... of Commercial Taxes ..... Circle.
To,

The .....
..... Circle.

I, ...(full name), son of .....(full name) hereby apply for the grant of a registration certificate under Section 19, of Bihar Value Added Tax Act, 2005 and furnish following particular for that purpose –

1. Name of the business –
2. Address –
   (a) House No./Shop No.—
   (b) Road/Street Name/Locality/Market—
   (c) Block—
   (d) District—
   (e) PIN Code—
3. Date of birth of the Applicant—
4. PAN/Driving License No.—
5. Bank details:
   (a) Bank Name—
   (b) Branch—
   (c) Account No.—
   (d) Account type—
6. Commodity dealt in—

VERIFICATION

I do hereby declare that the particulars furnished in the application are correct and complete to the best of my knowledge and belief.

Place..... Signature of the applicant.....

Status in relation to the dealer.....

Date..... Permanent address.....

The application shall be signed by the proprietor of the business if an individual, by the Karta, if an undivided Hindu family; by an authorized partner in the case of a firm; by a Managing Director, Managing Agent or Principal Executive Officer in the case of a company or corporation, by the Principal Executive Officer-in- charge of in the case of a society, club or association."

4. This notification shall come into force with effect from the date of its issue.

By order of the Governor of Bihar,

(Rajit Punhani)
Commissioner Cum Secretary
Commercial Taxes Department,
Bihar, Patna.

2. FAQ(S) ON SMALL DEALERS

FAQ(s) on the Implementation of the Small Dealer Taxpayers Scheme (the Scheme)

1. What is the process of taking benefit under the scheme?

   Dealers whose gross turnover is not expected to exceed forty lakh rupees and who do not make inter state purchase & who are not manufacturers during a financial year are eligible to take the benefit of this scheme.

2. How is the dealer eligible for the Scheme required to apply to the authorities?

   The dealer is required to intimate the authorities and file on application in the specified Form AXI-A as prescribed by the notification or file his application on line.

3. Whether any specific approvals are required for availing benefit under the scheme post submission of application under form AXI or AXI-A?

   The notifications issued for the scheme do not provide for a separate approval process. An intimation will be sent to the dealer.

4. What is the amount of tax payable under this Scheme and how is the tax required to be paid?

   A fixed amount of Rupees Ten Thousand is required to be paid in a financial year. This amount could also be paid in two equal installments, the first by 30 September and the second installment by 31 March.

5. What is the form of return specified for the dealers under this Scheme?

   An annual statement has to be furnished by the dealer in Form RT IV-part AA for every financial year.

6. How will the revenue authorities keep a track of dealers under this Scheme?

   Once the dealer files his application either in the circle office or on line, the circle in-charge shall grant permission and send on intimation to the person and enter the name of dealer in register VR-XII.

7. Is there any form of audit prescribed to be conducted by the revenue authorities under this Scheme?

   No scrutiny or audit is prescribed to be conducted against a dealer under this Scheme.

8. In case a dealer is found to deliberately evading the compliance procedures prescribed under the Scheme, what are the penal procedures prescribed to stop such evasion?

   There are no specific penal measures prescribed in the notifications. However, appropriate sanctions in accordance with the existing Act and Rules may be made applicable to the delinquent dealers.

9. How is the threshold limit for dealers worked out? What is the meaning of gross turnover/net turnover? What is the mechanism for calculation of this turnover?

   Threshold of gross turnover is rupees 40 lacks. Gross turnover is the total value of sales made during any financial year. Tax payable under the scheme is not linked to the turnover. Therefore, computation of taxable turnover is not required.

10. Can a dealer avail benefit under the scheme if his turnover exceeded Rs. 40 lakh in the immediately preceding year, but the turnover is likely to be less than 40 lakh in the current financial year?

    Yes, if he applies for the above scheme.

11. If the turnover of a Small Dealer availing of the Scheme exceeds the threshold limit in a financial year, how is the tax treatment to the determined for the rest of the financial year?

    If the gross turnover of a dealer availing of the scheme exceeds forty lakh during the course of the year or he imports any goods from outside the State for the purpose of his business, his entitlement to pay tax at fixed rate or amount in lieu of the tax payable shall cease from the date on which his gross turnover first exceeded forty lakh rupees or, as the case may be, he first sold the goods imported by him from outside the State.

12. is there a specific exit process available to the dealer under the proposed Scheme in case the dealer becomes ineligible to continue in the Scheme?

    There is no such specific exit procedure prescribed under the Act but the moment the dealer's gross turnover exceeds rupees 40 lacks or he sells goods purchased from outside the state he becomes ineligible for the scheme he becomes a normal dealer.

13. What are the records which a dealer will be required to maintain if he has opted for the scheme? Is there any format prescribed for the same?

    No specific formats for accounts have been prescribed. The dealer has to just maintain his normal customary accounts.

14. What is the effective date for the start of the scheme? The Notification has been issued by the State Government of August 12, 2010 but the scheme was initially announced in the State Budget in February".

    Section 15(1A) of the Bihar Value Added Tax Act prescribes that the Stat Government by notification permit any class of registered dealers, whose gross turnover does not exceed the notified threshold limit, to pay a fixed amount of tax. The notification also prescribes the operation of the scheme from the date of issue of notification. So, the Scheme would come into effect from the aforesaid date of issue of notification unless specifically provided otherwise. The scheme will be available in respect of the financial year 2010-11 and also any year after this.

15. Is there any requirement to issue invoices (including specific format of invoices etc.) that are required to be maintained by the dealer who is availing of this Scheme?

    The dealer is to issue a retail invoice.

16. Is a dealer availing of the scheme allowed to take input tax credit?

    No.

3. SMALL DEALER TAX SCHEME NOTIFICATION